

Inhaltsverzeichnis

| | | |
|------|--|-----|
| 1 | Einleitung..... | 5 |
| 2 | Erstes Buch: Poesie der Erinnerung | |
| 2.1 | Das Abenteuer der Weltreise..... | 17 |
| 2.2 | Freundschaft und Liebe..... | 29 |
| 2.3 | Flucht aus der "Feenburg"..... | 42 |
| 2.4 | Allegorische Lebensläufe..... | 46 |
| 2.5 | Friedrichs "ganze Jugendgeschichte"..... | 53 |
| 2.6 | "Schlafe, was willst du mehr!"..... | 63 |
| 2.7 | Belauschte Grundmelodien..... | 67 |
| 2.8 | Rückkehr zum Erlebten..... | 70 |
| 2.9 | Individualität und Gesellschaft..... | 81 |
| 2.10 | Eigentümliche Daseinserfüllungen..... | 95 |
| 3 | Zweites Buch: Poesie der Zeitkritik | |
| 3.1 | Demaskierte Wirklichkeiten..... | 107 |
| 3.2 | Unbändige Frauenschicksale..... | 111 |
| 3.3 | Im Salon "eßteetischer Geschwätze"..... | 117 |
| 3.4 | Auf unrechten Wegen..... | 132 |
| 3.5 | Winterliche Entdeckungen..... | 143 |
| 3.6 | Mythologische Rheinfahrt..... | 151 |
| 3.7 | Gescheiterte Bekehrungen..... | 158 |
| 3.8 | Eine "dunkelwüste" Gemsenjagd..... | 166 |
| 3.9 | Romanas "böse Zauberei"..... | 173 |
| 4 | Drittes Buch: Poesie der Tat | |
| 4.1 | Siegreicher Anfang..... | 181 |
| 4.2 | Romanas tödliche Diskrepanz..... | 187 |
| 4.3 | Seelische Verwandlungen..... | 193 |
| 4.4 | Hochzeitsfest in der Residenz..... | 204 |
| 4.5 | Verkehrte Welt..... | 207 |
| 4.6 | Flucht in eine nihilistisch-utopische Einsiedelei..... | 215 |
| 4.7 | Rudolphs tragischer Lebenslauf..... | 222 |
| 4.8 | Aufbruch in eine heilere Welt..... | 236 |
| 5 | Literaturverzeichnis..... | 259 |